राष्ट्रीय ई - सेमीनार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : एक वैचारिक विशेषण एवं तकनीकी शब्दावली

8-9 जनवरी 2021

रिपोर्ट

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार , दिल्ली एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर राजस्थान की संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक वैचारिक विशेषण एवं तकनीकी शब्दावली विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 8 - 9 जनवरी 2021 को महाविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर अवनीश कुमार, अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं शब्दावली आयोग और डॉ दीपक कुमार, सहायक निदेशक कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग ,शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों से अवगत कराते हुए इसकी संभावनाओं पर बात करते हुए इस संगोष्ठी के प्रारूप एवं रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। आयोग की ओर से इंजी. जयसिंह रावत जी ने कार्यक्रम का संयोजन का कार्य किया।

इस अवसर पर प्रोफेसर मधुर मोहन रंगा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर , सरगुजा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ ने अपना बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में नवीन तकनीक शिक्षा नीति 2020 के विद्यालय और महाविद्यालय से सम्बंधित आवश्यक पक्षों पर चर्चा की। अपने उद्बोधन में उन्होंने शोध-संसाधनों और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के प्रयोग की संभावनाओं की और नई शिक्षा नीति में संभावित बदलाव पर चर्चा की।

कार्यवाहक प्राचार्य एवं वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ प्रवीण मिर्धा ने विषय का पल्लवन करते हुए शिक्षा नीति के समानीकरण के पक्ष पर बात की और मातृभाषा के व्यवहारिक और शोध संभावनाओं पर संक्षिप्त विवेचन प्रस्तुत किया।

इसके उपरांत आयोजन सचिव डॉ वीरेंद्र शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों की कार्य योजना प्रस्तुत की।

सेमिनार के प्रथम दिन दिनांक 8 जनवरी 2020 को देश के विभिन्न का प्रतिनिधित्व करते हुई 7 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए जिसमें डॉ राजेंद्र सिंघवी, सहायक आचार्य , निंबाहेड़ा ने शिक्षा नीति और मातृभाषा विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए मातृभाषा के व्यवहारिक पक्ष पर चर्चा की। सुश्री इंद्रा ने "लैंगिक समानता और समावेशी शिक्षा" पर चर्चा करते हुए थर्ड जेंडर समुदाय के अधिकारों पर चर्चा करते हुए अनेक तथ्यों का ब्यौरा देते हुए नई शिक्षा नीति में लैंगिक समानता के अवसरों की बात की। डॉ प्रीति शर्मा, सहायक आचार्य, एमिटी

विश्वविद्यालय, मुंबई ने नवीन शिक्षा नीती के संरचनात्मक पक्ष पर अपना विश्लेषणात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉक्टर शिवाली चौहान, डॉक्टर संजय कुमार और डॉ आशुतोष बिड़ला ने अपने शोध पत्रों में शिक्षा नीति की संभावित चुनौतियो एवं संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी के दूसरे दिन दिनांक 9 जनवरी 2021 को डॉ0 मनोरमा उपाध्याय, प्राचार्य, महिला पी.जी. महाविद्यालय, जोधपुर ने अपने उद्बोधन में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की बात कही व भारत की विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा प्राप्ति पर जोर दिया।

डॉक्टर वीनू पंत , सह आचर्य, केन्द्रीय विश्वविद्यालय , सिक्किम ने नवीन शिक्षा नीति में विभिन्न संकायों के विभिन्न अनुशासनों के बीच समायोजन संबंधी बातो पर बल दिया ।

डॉक्टर आलोक श्रीवास्तव , सह आचार्य एवं परीक्षा नियंत्रक, हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय , जयपुर ने शिक्षा नीति 2020 की विभिन्न विशेषताओं की बात करते हुए शिक्षा नीति में क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा और उनकी विरासत पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में व्यावहारिक उपयोग में क्या परेशानी आ सकती है ?, इस पर भी ध्यान आकर्षित किया।

इसी दिन प्रोफेसर अनन्त भटनागर के द्वारा शिक्षा क्षेत्र में ड्रॉप आउट की समस्या पर चर्चा की तथा समाधान बताएं और नीति के सही क्रियान्वयन के साथ नीति की सार्थकता पर बल दिया।

संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री त्रिभुवन जी ने नवीन शिक्षा पर बात करते हुए भारतीय अतीत और भविष्योन्मुखी शिक्षा नीति के लिए न्याय, क्षमता और संवैधानिक मूल्यों जैसे विषयों पर बात की और उन्होंने बताया की भारतीय जीवन मूल्यों के लिए भारतीय भाषा में शिक्षा व अनुवाद जरूरी है श्री शिरीष पाठक , सह आचार्य , एमिटी विश्वविद्यालय , नॉएडा ने शिक्षा नीति की विशेषताओं के साथ हीनवीन शिक्षा नीति की चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया।

डॉ सतीश कदम, सह आचार्य, यशवंत राव चव्हान महाविद्यालय , तुलजापुर ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उच्च शिक्षा की नीति में शोध गुणवत्ता हेतु अनुदान संबंधी जो बदलाव किए गए हैं उन पर भी उन्होंने बात की ।

संकाय सदस्य डॉ मंजू श्री गुप्ता, सह आचार्य अर्थशास्त्र, ने भी अपने विचार इस की संगोष्ठी में प्रस्तुत किए।

सेमिनार में पूरे भारतवर्ष से लगभग 150 से ज्यादा शोधपत्र वाचन हेतु पंजीकृत हुए इसमें अलग -अलग राज्यों से जैसे उत्तरप्रदेश , मेघालय, महाराष्ट्र, केरल, उत्तराखंड, गोवा, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली आदि के प्रतिभागियों ने इस संगोष्ठी में हिस्सा लिया। इस प्रकार यह सेमिनार सफलता पूर्वक संपन्न हुई । सेमिनार की रिपोर्ट सह समन्वयक डॉ0 पंकज गौर ने सेमिनार के दूसरे दिन सेमीनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

ई सेमिनार का संचालन डॉ0विमलेश शर्मा और डॉ0 अलका पवांर ने किया।

प्राचार्य प्रोफ़ेसर उमेश भार्गव ने शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पक्षों पर इस सम्मेलन में उपस्थित विद्वजनों से चर्चा की।सेमिनार के अंत में आयोजन सचिव श्री वीरेन्द्र शर्मा द्वारा ई -सेमिनार में भाग लेने वाले अतिथियों एवं प्रतिभागियों के साथ सभी संकाय सदस्य, जिनकी सेमिनार में भागीदारी रही , उनका धन्यवाद ज्ञापित किया।

दैनिक समाचार पत्रों में सेमिनार सम्बन्धी समाचार का प्रकाशन

दैनिक नवज्योति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वैचारिक विश्लेषण पर रखे पक्ष

जीजीसीए में दो दिवसीय ई-संगोष्ठी प्रारम्भ

कार्य.-नवज्योति, अजमेर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वैचारिक विश्लेषण एवं तकनीकी शब्दावली विषय पर राजकीय कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. उमेश भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में प्रथम दिन (कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक डॉ. दीपक कुमार, वैज्ञानिक तथा शब्दावली आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर अवनीश कुमार ने अपने विशिष्ट उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों से अवगत करवाते हुए इसकी संभावनाओं पर संगोष्ठी के प्रारूप एवं रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। आयोग की ओर से इंजीनियर जयसिंह रावत भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सरगुजा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. मधुर मोहन रंगा ने नवीन शिक्षा नीति 2020 के विद्यालयी और महाविद्यालयी पक्षों पर और वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. प्रवीण मिधा ने शिक्षा नीति के समानीकरण के पक्ष पर बात की और मातृभाषा के व्यावहारिक और शोध संभावनाओं पर संक्षिप्त विवेचन प्रस्तुत किया। आयोजन सचिव डॉ. वीरेन्द्र शर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों की कार्ययोजना प्रस्तुत की।उन्होंने संगोष्ठी से संबंधित शोध विषयों की संक्षिप्त रूपरेखा भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अलका पंवार व डॉ. विमलेश शर्मा ने किया। डॉ. पंकज गौर, डॉ. ब्रजकिशोर, डॉ. अमित राजवंशी, डॉ. योगेन्द्र कुमार सहित संकाय सदस्यों की उपस्थिति रही।इसमें उत्तर प्रदेश, मेघालय, दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल, उत्तराखंड आदि के प्रतिभागी ई-संगोष्ठी में हिस्सा ले रहे हैं।

सात प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किए शोध-पत्र

देश के विविध प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हुए सात प्रतिभागियों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इसमें निम्बाहेड़ा के सहायक आचार्य डॉ. राजेन्द्र सिंधवी ने शिक्षा नीति और मातृभाषा विषय पर पत्र प्रस्तुत करते हुए मातृभाषा के व्यावहारिक पक्ष पर चर्चा की। सुश्री इन्दिरा ने लैंगिक समानता और समावेशी शिक्षा पर थर्ड जेण्डर समुदाय के अधिकारों पर चर्चा की। एमटी विश्वविद्यालय मुंबई की सहायक आचार्य डॉ. प्रीती बाला शर्मा ने शिक्षा के संरचनात्मक पक्ष पर विशद और विश्लेषणात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. शिवाली चौहान, डॉ. संजय कुमार और डॉ. आशुतोष बिरला ने भी अपने शोध-पत्रों में शिक्षा नीति की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के सत्रों में नई शिक्षा नीति के विविध पक्षों मूल्यगत वैशिष्ट्य और परम्परागत नीतियों से वैभिन्य पर विशद मंथन किया गया। संगोष्ठी में 150 से ज्यादा शोध-पत्र वाचन के लिए पंजीकृत हुए।

राजस्थान पत्रिका

'शिक्षा क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देना आवश्यक'

अजमेर @ पत्रिका. वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग और राजकीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें वक्ताओं ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, शोध अवधारणा, मातृभाषा के व्यावहारिक और शोध संभावनाओं पर विचार व्यक्त किए। एसपीसी-जीसीए के पूर्व प्राचार्य डॉ. मधुर मोहन रंगा ने कहा कि शोध-संसाधनों और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार बहुत आवश्यक हैं। 1.2 करोड़ बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए खुले स्कूल की स्थापना, पारम्परिक खेलों को प्रोत्साहन, पांचवीं कक्षा तक मातृ अथवा क्षेत्रीय भाषा का अध्ययन आवश्यक है। उच्च शिक्षा में 2030 तक 50 प्रतिशत नामांकन तभी होगा जबकि नवाचार, विद्यार्थियों को उचित अवसर और शैक्षिक संस्थानों में सुविधाएं होंगी। इसी क्रम में इन्दिरा ने नई शिक्षा नीति में लैंगिक समानता, डॉ राजेन्द्र सिंघवी ने शिक्षा नीति और मातृभाषा, डॉ प्रीती बाला शर्मा ने शिक्षा के संरचनात्मक पक्ष पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

राजस्थान पत्रिका

पत्रिका सिटीजन

'शोध समाजोपयोगी एवं रोजगारपरक हो शिक्षा'

अजमेर @ पत्रिका. वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग और राजकीय कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में नई शिक्षा नीति-2020 एवं तकनीकी शब्दावली विषय पर संगोष्ठी हुई।

शनिवार को पीजी कॉलेज जोधपुर की प्राचार्य डॉ. मनोरमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति का कलेवर भविष्योन्मुखी है। यह देश के शिक्षा तंत्र को मजबूती प्रदान करेगा। केंद्रीय विवि सिक्किम की इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ वीनू पंत ने शिक्षा की प्राचीन पद्धति और भारतीय संस्कृति की अवधारणा पर जोर दिया। यशवंत राव चव्हाण कॉलेज के डॉ. सतीश कदम ने 1986 और नई शिक्षा नीति 2020 का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। अमेठी विवि के डॉ. श्रीश पाठक ने उच्च शिक्षा में शिक्षक की भूमिका और उसके उन्नयन, डॉ अनंत भटनागर ने शिक्षा को रोजगारपरक बनाने की बात कही।

हरिदेव जोशी जनसंचार एवं पत्रकारिता विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के मसौदे तब तक सार्थक नहीं होते जब तक उनकी क्रियान्वित नहीं हो। प्राचार्य डॉ. उमेश भार्गव ने शैक्षिक संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शोध पर जोर दिया। डॉ. मंजुश्री गुप्ता, डॉ योगेन्द्र कुमार और तरंग राजवंशी ने शोध पत्रों की प्रस्तुति दी। डॉ. पंकज गौड ने प्रतिवेदन पढ़ा। योजन सचिव डॉ वीरेंद्र शर्मा ने तथ्य विश्लेषण किया। आयोग के अवनीश कुमार, सहायक निदेशक दीपक कुमार और जयसिंह रावत ने धन्यवाद दिया।

दैनिक भास्कर अजमेर 10-01-2021

अतीत की गौरवशाली परंपरा को सहेजना जरूरी : त्रिभुवन

जीजीसीए में चल रही संगोष्ठी का समापन

अजमेर। वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली और राजकीय गर्ल्स कॉलेज अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इई राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शनिवार को हुआ। नई शिक्षा नीति-2020 और तकनीकी शब्दावली विषय पर हुई यह संगोष्ठी शुक्रवार को शुरू हुई थी।

संगोष्ठी के दूसरे दिन मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षाविद त्रिभुवन ने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारतीय अतीत की गौरवशाली परंपरा को सहेजना और भविष्योन्मुख शिक्षा नीति के लिए न्याय, समता और संवैधानिक मूल्य जरूरी है। समता की बात किए बिना शिक्षा नीति की संभावनाएं एकांकी हैं। महिला पीजी कॉलेज जोधपुर की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने इस मौके पर कहा कि नई शिक्षा नीति का कलेवर भविष्योन्मुखी है और इसका प्रभावी क्रियान्वयन भारत के शिक्षा तंत्र को मजबूती देगा। सेंट्रल यूनिवर्सिटी सिक्किम की इतिहास विषय की सह आचार्य डॉ वीनू पंत ने भारतीय संस्कृति की अवधारणा पर बल दिया। ओस्मानाबाद के यशवंतराव चव्हाण कॉलेज के इतिहास के एचओडी डॉ सतीश कदम ने 1986 और नई शिक्षा नीति 2020 का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। इस मौके पर अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा के सहायक आचार्य डॉ. श्रीश पाठक ने उच्च शिक्षा में शिक्षक की भूमिका और उसके उन्नयन के प्रयासों और संभावनाओं पर चर्चा की। डॉ अनंत भटनागर ने शिक्षा नीति में पाठ्यचर्या और मानवीकि के विषयों पर विशेष ध्यान देने की कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा रोजगारपरक होनी चाहिए।

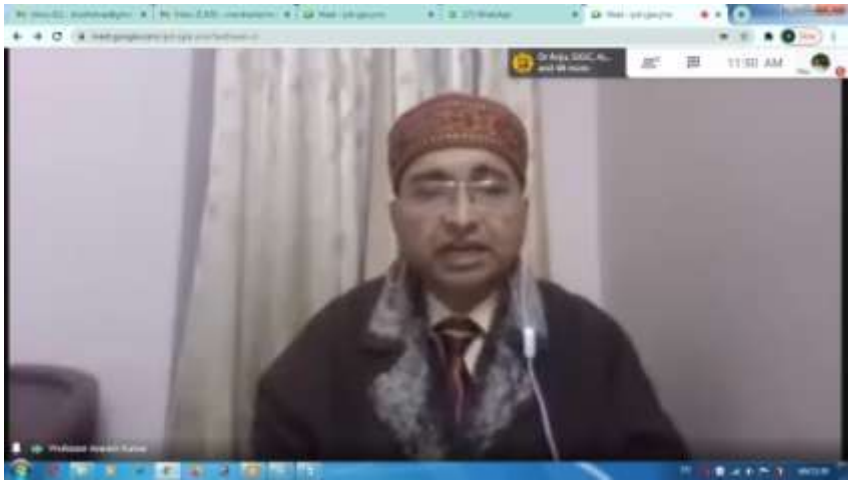

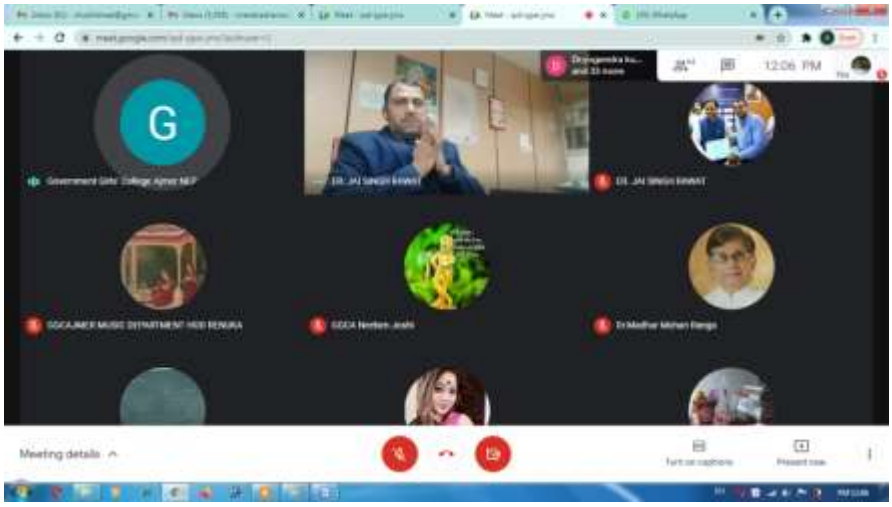

Dr.Madhur Mohan Ranga is presenting
1. 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100 प्रतिशत जीईआर के साथ पूर्व विद्यालय से माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा का सार्वभौमिकरण
•समान व समावेशी शिक्षा
•दिव्यांगों के लिए
•बाल केंद्रित
•सामाजिक चेतना केंद्र

Government Girls' College Ajmer NEP is presenting
12:56 PM
Meeting details

Government Girls' College Ajmer NEP is presenting
1:53 PM
Meeting details

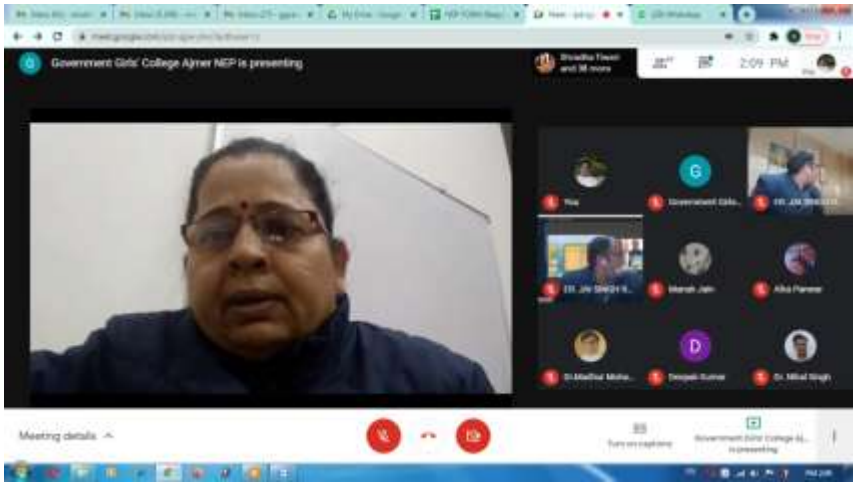
Government Girls' College Ajmer NEP is presenting
2:09 PM
Meeting details

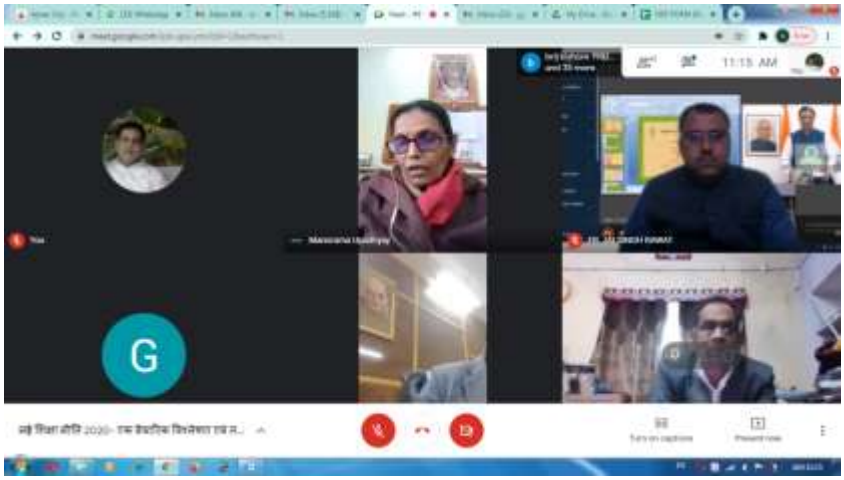

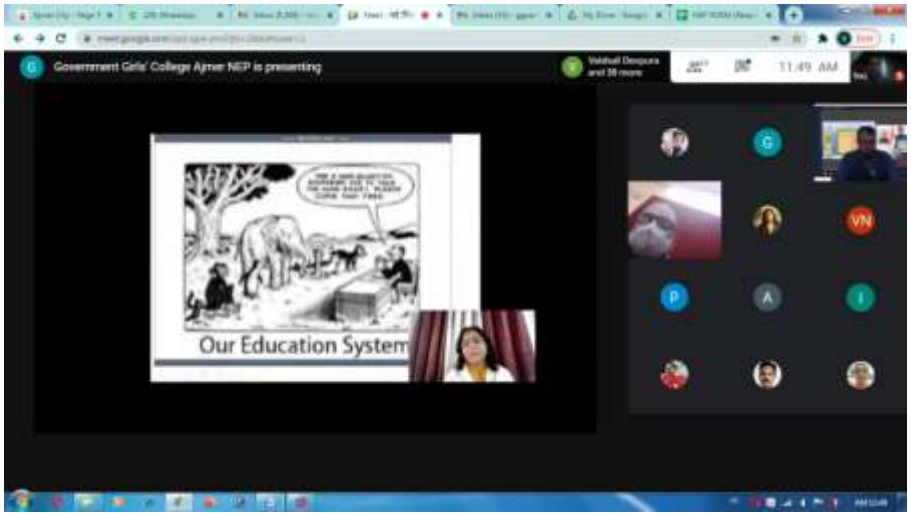
Government Girls' College Ajmer NEP is presenting
11:49 AM
Our Education System

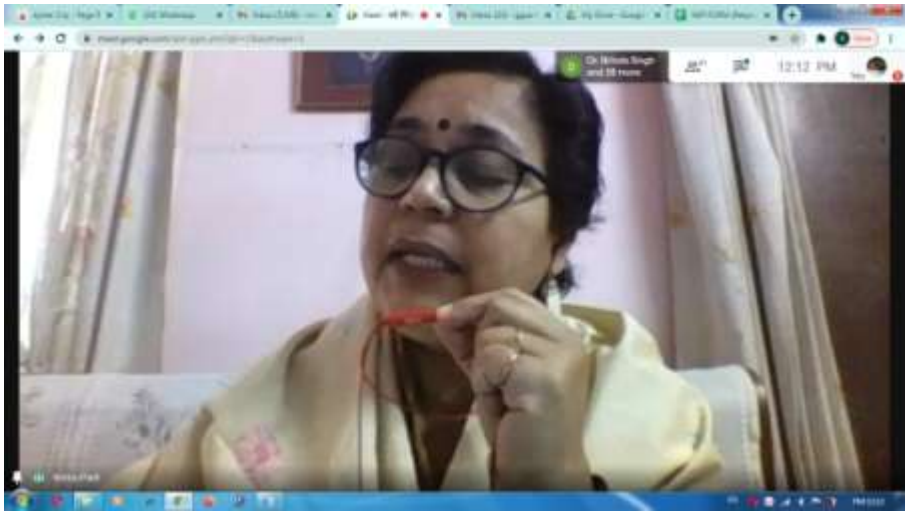
12:12 PM

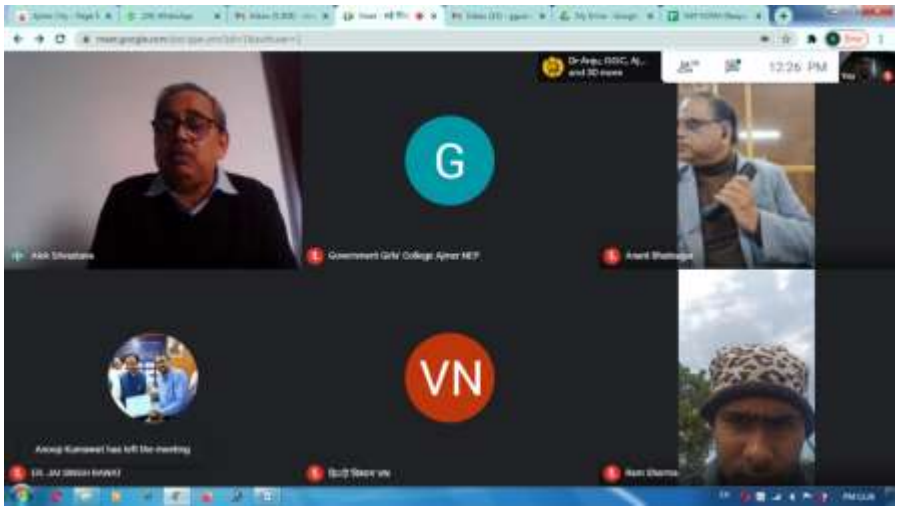
12:26 PM
G
VN

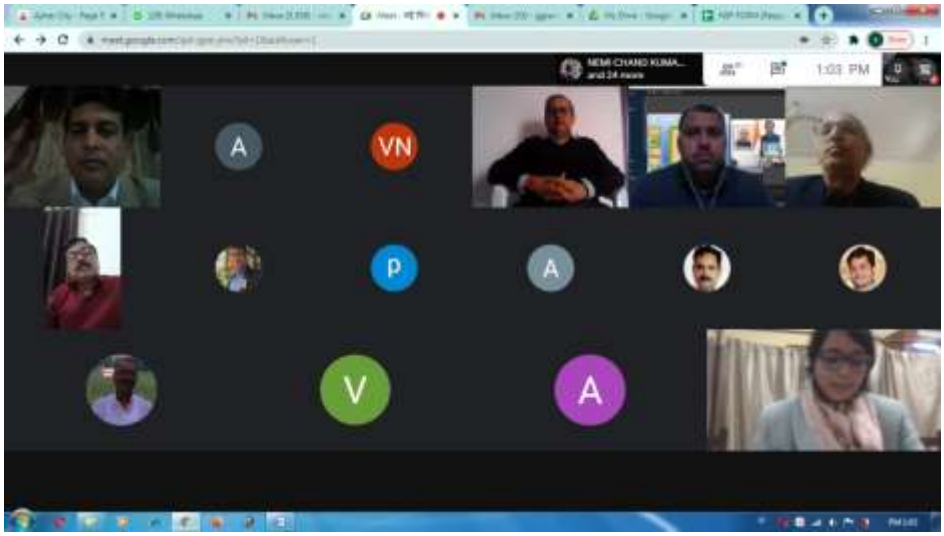
1:03 PM
A
VN
P
A
V
A

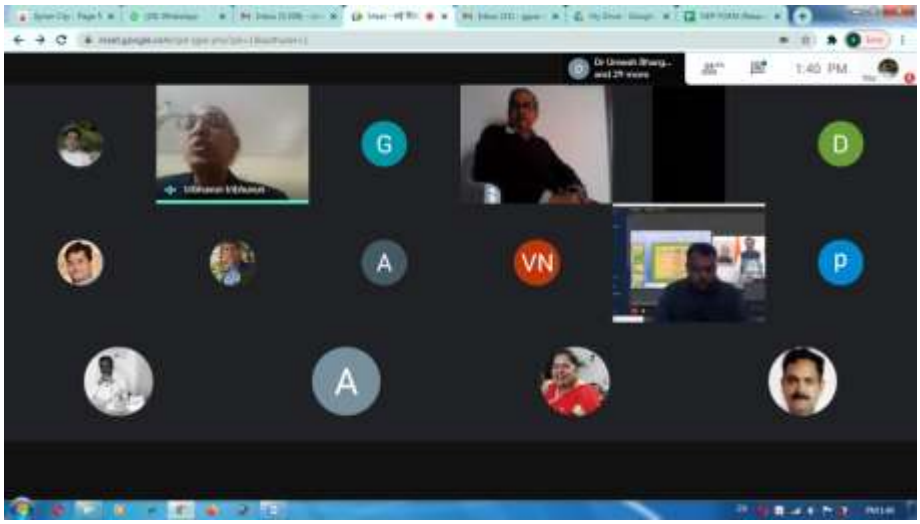
1:40 PM
G
D
A
VN
P
A

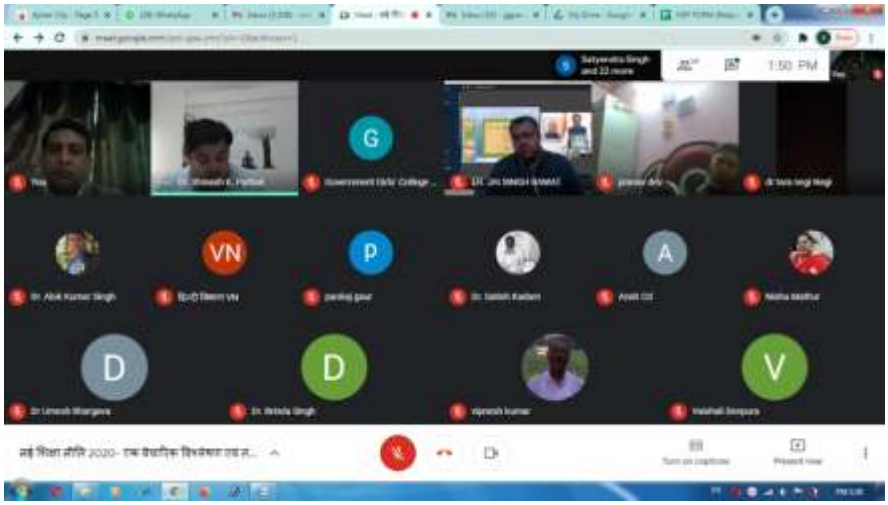
1:50 PM
VN
P
A
D
D
V

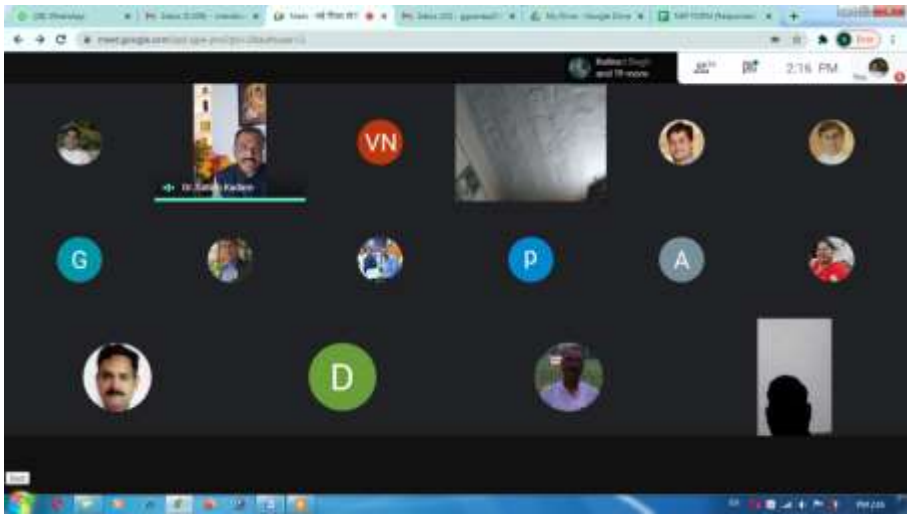
2:16 PM
VN
G
P
A
D

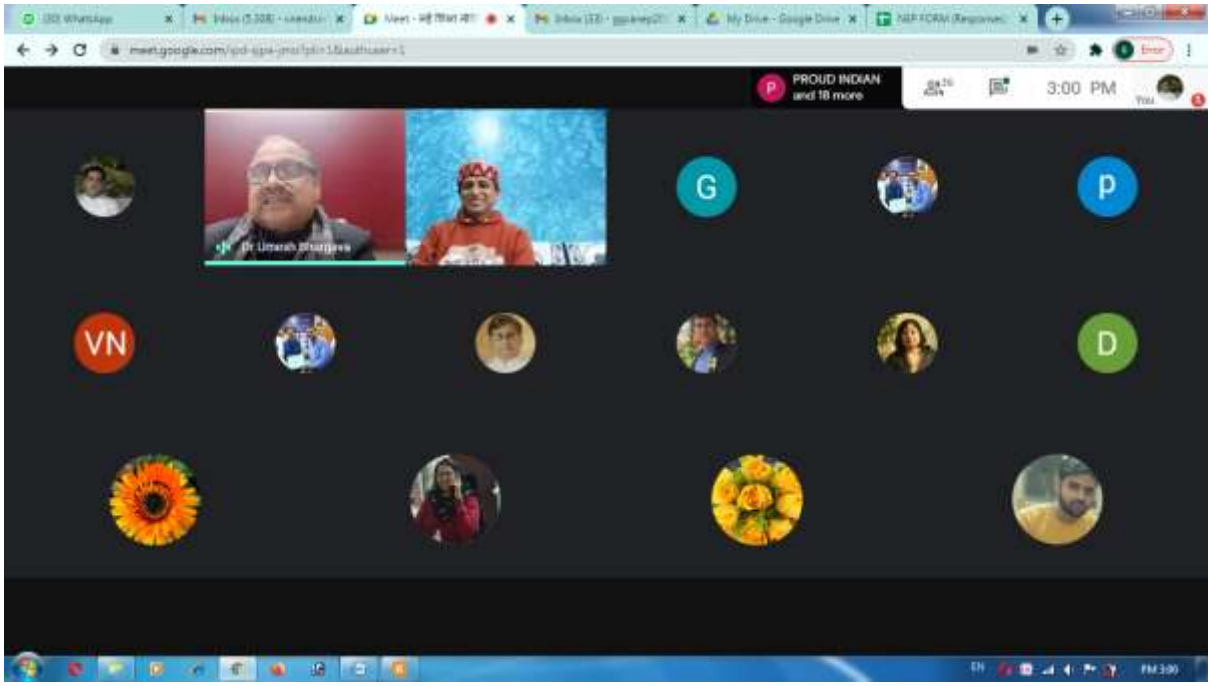

PROUD INDIAN
and 18 more
3:00 PM